**कृषि विज्ञान केंद्र – आई॰वी॰आर॰आई, बरेली द्वारा चार दिवसीय वर्मीकम्पोस्ट प्रशिक्षण का आयोजन**

कृषि विज्ञान केंद्र – आई॰वी॰आर॰आई, बरेली द्वारा 20-23 अगस्त 2019 चार दिवसीय वर्मीकम्पोस्ट प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षुओ को वर्मीकम्पोस्ट अर्थात केचुआ खाद के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गयी । आज के समय में, अत्यधिक रसायन का कृषि क्षेत्र में प्रयोग व कृषि क्षेत्र में अधिक लागत एवं फसल अवशेष व पशु मल मूत्र का सदुपयोग इन सभी गतिविधियो का एक ही निवारण है जो वर्मीकम्पोस्ट नमक खाद के रूप में उपलब्ध है । प्रशिक्षुओ को वर्मीखाद बनाने की प्रक्रिया, विभिन्न केचुओ की प्रजातीयो का प्रयोग, विभिन्न कारक व अर्थिकी के समबन्ध में व्याख्यान दिया गया । वर्मीकम्पोस्ट के उद्योग क्षेत्र से जुड़े श्री॰ प्रतीक बजाज की परधौली स्थित वर्मीकम्पोस्ट इकाई का भ्रमण भी प्रशिक्षुओ को करवाया गया । साथ ही आई॰वी॰आर॰आई के पशु अनुवंशिकी विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ॰ रण वीर सिंह ने केचुओ की जय गोपाल प्रजाति के बारे में जानकारी प्रदान की व अपने फार्म में भ्रमण द्वारा केचुओ की प्रजातीय दर्शायी । प्रशिक्षुओ को वर्मीकम्पोस्ट के साथ साथ जैविक खेती द्वारा एक नयी सोच उजागर कर अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए प्रमोटर क्रिएटिव लिमि॰ के जनक व प्रगतिशील कृषक श्री॰ निहाल सिंह के करगैना, बरेली स्थित वर्मीकम्पोस्ट इकाई का भ्रमण भी करवाया गया । श्री ॰ राकेश पांडे फसल विशेषज्ञ ने प्रशिक्षुओ को जैविक खेती में पंजीकरण प्रक्रिया, केचुओ के रखरखाव पर व्याख्यान दिया व खेती में रसायन की जगह वर्मीकम्पोस्ट का प्रयोग करने की बात कही । प्रशिक्षुओ को प्रमाणपत्र वितरण समारोह में पूर्व संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) डॉ॰ अनिल गर्ग ने प्रशिक्षुओ को संबोधित कर वर्मीकम्पोस्ट उद्यमिता के क्षेत्र में ज्ञान साझा किया व आज के समय में किसान की आय कम होने के कारणो के बारे में चर्चा की। डॉ॰ राज करन सिंह अध्यक्ष कृषि विज्ञान केंद्र – आई॰वी॰आर॰आई ने वर्मीकंपोस्टिंग से जुड़ी योजनाओ की जानकारी दी जिसमे अलग अलग आकार की वर्मीकम्पोस्ट इकाई के लिए विभिन्न धन राशि बैंक के माध्यम से प्रदान की जाती । इस प्रशिक्षण का संचालन कु॰ वाणी यादव ने किया ।